प्रभावी हुए युगऋषि के विचार, समाज में बढ़ा सदाचार

जातव समाज में आत्मोत्कर्ष की उमंग

नदबई, भरतपुर (राजस्थान)

एक जीवंत और जाग्रत् शक्तिपीठ का संचालन कर रही गायत्री परिवार की नदबई शाखा ने अपने क्षेत्र के हर वर्ग की ईश-आस्था बढ़ाई और अकूत सम्मान पाया है। जातव वर्ग में तो यह श्रद्धा विशेष ही दिखाई देती है। इस वर्ग के सुपुत्र के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में पंच कुण्डीय गायत्री यज्ञ का आयोजन हुआ। इसमें लगभग २०० भाई-बहिन शामिल हुए और अपने उपासना, साधना, दुर्व्यसन त्यागे तथा सप्त आन्दोलनों में सहभागिता के संकल्प सुदृढ़ किये। यज्ञ का संचालन नवयुवती बहिनों-कु. कुसुम (एम.ए., बी.एड.), कु. गीता (एम.ए.योग. देसंविवि) तथा कु. बबली (एम.ए., बी.एड.) की टोली ने किया। इन बहिनों के ओजस्वी वक्तव्य ने अपनी मूढ़ परम्पराओं को छोड़ समाज के लिए कुछ कर गुजरने का उत्साह याजकों में जगाया। ❍

नदबई में घर-घर यज्ञ करा रही हैं बहिनें और नारी शक्ति के उत्कर्ष से उत्साहित है जातव समाज, चित्र में यज्ञ करते जातव बंधु

१८ दिसम्बर को राधेश्याम जातव ने समीक्षा की है गायत्री परिवार के पुरोहितों की। वे न तो परम्परागत कर्मकाण्डी हैं, न व्यवसायी। वे जानते हैं कि उनका नेतृत्व प्रगतिशील और समाजिक उत्थान के लिए, संवेदनशील पुरोहित कर रहे हैं। यही कारण है कि स्थानीय जातव समाज ने अपनी सूझबूझ का सुंदर परिचय देते हुए गायत्री परिवार की प्रेरणाओं को शिरोधार्य किया और आत्मोत्कर्ष की राह पर चल पड़े।

नदबई से ८ कि.मी. दूर एक गाँव है खटौटी। यहाँ के सरपंच श्री नत्थूलाल जातव हैं। उन्होंने अपने गाँव में एक आम सभा आयोजित कर गाँव में गायत्री परिवार की पहल पर २७ बीघा (४.५३ हैक्टेयर) भूमि देव संस्कृति विश्वविद्यालय के घटक महाविद्यालय के निर्माण के लिए आबंटन का प्रस्ताव पारित कर दिया। जिला कलेक्टर, भरतपुर ने इस पर अग्रिम कार्यवाही करते हुए आबंटन स्वीकृत करने की अनुशंसा राज्य सरकार को भेज दी है और इस कार्यवाही से गायत्री शक्तिपीठ नदबई को सूचित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि गाँव के कई जातव भाई-बहिन शांतिकुंज में विभिन्न सत्र कर चुके हैं और बहुत प्रभावित हैं।

लक्ष्य २०११ : आदर्श विवाह आन्दोलन आरंभ

समालखा, पानीपत (हरियाणा)

पानीपत की जिला गायत्री परिवार समिति ने अपने क्षेत्र में आदर्श विवाहों के प्रचलन को प्रोत्साहित करने के लिए जन्मशताब्दी वर्ष तक ५० आदर्श विवाह सम्पन्न कराने का संकल्प लिया। डॉ. गुरुदत्ता अनेजा के अनुसार गायत्री परिवार के सक्रिय परिजन प्रधानाचार्य श्री कर्ण सिंह ने इस संकल्प का श्रीगणेश अपने सुपुत्र के विवाह से किया। २१ नवम्बर २००७ को यह विवाह बिना दहेज और पूरी सादगी के साथ मिशन की आदर्श परम्पराओं के अनुरूप सम्पन्न हुआ। प्रधानाचार्य जी की पहल ने पूरे क्षेत्र में आदर्शों के अवलम्बन का उत्साह जगाया है। ❍

ठिठुरते गरीबों को कंबल बाँटे

सहरसा (बिहार)

महिला मण्डल शिवपुरी, सहरसा ने भीषण ठंड से ठिठुरते अपंग, गरीब एवं बेसहाराओं को ठंड से बचने के लिए पितरों की स्मृति में एक-एक वृक्ष लगाने के लिए भी प्रेरित किया। महिला मण्डल की कार्यवाहक चंदादेवी के साथ सभी सदस्य सुशीला देवी, बबीता

महिला मण्डल की सेवाओं का लाभ लेने वाले गरीब लोग

कम्बल प्रदान किये। उन्होंने सतरकटैया प्रखण्ड के अंतर्गत बिहरा ग्राम पंचायत में ये कम्बल बाँटे। बहिनों ने लाभार्थी गरीबों को नशा छोड़ने और अपने देवी, बेबी कुमारी, नीता भारती, रेखा देवी, नीलम भगत, ऊषा भगत, अनामिका देवी आदि ने कम्बल वितरण के कार्य में हिस्सा लिया। ❍

निष्णात चिकित्सकों ने सेवा की और बताये आरोग्य के उपाय

पटना (बिहार)

आंचलिक केन्द्र पटना ने दिनांक १६ दिसम्बर को १५ चिकित्सकों की सेवाएँ प्राप्त करते हुए चिकित्सा शिविर लगाकर २०० लोगों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। प्रांतीय राजधानी के प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ. शैलेन्द्र कुमार 'अथर्व', जी.डी. मेमोरियल कॉलेज की डॉ. मुक्तामाला पाण्डेय, मगध हॉस्पिटल के निदेशक एवं हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. संजीव, ई.एन.टी. विशेषज्ञ डॉ. सत्येन्द्र शर्मा, यूनानी चिकित्सक डॉ. अशफाक अहमद सहित जाने माने चिकित्सकों ने मरीजों के निदान एवं उपचार के साथ स्वास्थ्य संबंधी बहुमूल्य बातें भी समझायीं।

डॉ. शैलेन्द्र कुमार 'अथर्व' ने लोगों को कम से कम १५ मि. नियमित रूप से प्रज्ञा अभियान का योग-व्यायाम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि शारीरिक श्रम एवं व्यायाम के अभाव में ही मधुमेह एवं रक्तचाप की बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं, जो व्यक्ति के समग्र स्वास्थ्य को नष्ट करती रहती हैं।

डॉ. मुक्तामाला पाण्डेय ने नये-पुराने रोगियों को होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति अपनाने की प्रेरणा दी, जो आज भी सबसे सस्ती है। डॉ. संजीव ने परम पूज्य गुरुदेव के साहित्य के स्वाध्याय को तनाव मुक्ति का सर्वसुभम उपाय बताया और संतुलित भोजन की प्रेरणा दी। ❍

सामूहिक श्रमदान से सड़क बना ली

रोसड़ा, समस्तीपुर (बिहार)

गायत्री प्रज्ञा मण्डल रोसड़ा ने अपने प्रखण्ड क्षेत्र में सामूहिक श्रमदान से टूटी सड़क की मरम्मत कर समाज के समक्ष एक आदर्श प्रस्तुत किया। गायत्री परिवार की प्रेरणा एवं सहयोग से सहियारडीह के ग्रामीणजनों ने बड़ी श्रद्धा के साथ श्रमदान किया और भीषण बरसात एवं बाढ़ से क्षतिग्रस्त चकथात पंचायत पश्चिम के वीरकुंवर सिंह पथ की मरम्मत कर ली। यह कार्य श्री कृष्णवल्लभ सिंह के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। समाचार पत्रों सहित पूरे समाज ने इसे एक अनुकरणीय पहल बताया। ❍

न्यायमूर्ति की प्रेरणा से शिक्षक नहीं करेंगे व्यसन

बयाना, भरतपुर (राजस्थान)

वर्ष २००७ के अंतिम दिन श्री सतीश कौशिक-अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने स्थानीय शिक्षकों को संबोधित करते हुए उनमें से ५० लोगों को जाने को खतरनाक बताया। शिक्षकों को अपनी भूल का अहसास हुआ और वहीं अपने बीड़ी, सिगरेट, गुटका आदि तोड़ और फैंककर इस गलती को न दोहराने के संकल्प लिए। शिक्षकों ने

श्री सतीश कौशिक-अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शिक्षकों को संबोधित करते हुए

व्यसनमुक्ति के संकल्प दिलाने में सफलता पायी। वे डीपीईपी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविर में बोल रहे थे। जज साहब ने गुरुजनों को उनके नैतिक दायित्व की याद दिलाते हुए बाल चरित्र के साथ खिलवाड़ किये कहा कि वे नये वर्ष में अपने दायित्व का जिम्मेदारी से पालन करेंगे। इस अवसर पर श्री जयप्रकाश पाठक ने युगऋषि के अभियान में अनन्य निष्ठा रखने वाले जज साहब को साफा बाँधकर सम्मानित किया। ❍

'अखण्ड ज्योती-मराठी' प्रकाशित

वसंत पर्व (फरवरी २००८) से मराठी में मिशन की मासिक पत्रिका **'अखण्ड ज्योती (मराठी)'** का शांतिकुंज से प्रकाशन आरंभ हो गया है। अब तक नागपुर से प्रकाशित हो रही मासिक पत्रिका 'युग साधना' का इसी पत्रिका में विलीनीकरण हो गया है। 'अखण्ड ज्योती(मराठी)' का फरवरी अंक ग्राहकों को भेज दिया गया है। नई पत्रिका का वार्षिक चंदा मात्र ६६ रुपये है। जिन लोगों ने युग साधना का चंदा जमा कर दिया है, उसे अखण्ड ज्योती पत्रिका के खाते में ले लिया गया है। ग्राहक एवं प्रचारकों से निवेदन है कि अब से वे **मराठी भाषा में प्रकाशित हो रही पू. गुरुदेव की चिट्ठी 'अखण्ड ज्योती (मराठी)'** का चंदा, निम्न लिखित पते पर भेजें- शैलबाला पण्ड्या, **'अखण्ड ज्योती (मराठी)'**
श्री वेदमाता गायत्री ट्रस्ट, शांतिकुंज, हरिद्वार. (उत्तराखण्ड) पिन-२४९४११
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-मो. नं. 09319059574
अपना चंदा (वर्गणी) निम्न बैंकों में 'श्री वेदमाता गायत्री ट्रस्ट, शांतिकुंज हरिद्वार' के निम्न खातों में भी जमा करा सकते हैं :-
भारतीय स्टेट बैंक ... खाता संख्या 10876858311 हरिद्वार का ब्रांच कोड-02350
पंजाब नेशनल बैंक खाता संख्या .... 3129010100000018 **(बैंक की रसीद शांतिकुंज को अवश्य भेजें।)**

बंदियों को लगी जीवन साधना की लगन

शाहजहाँपुर (उत्तर प्रदेश)

जिला कारागार शाहजहाँपुर में ९ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ। जेल अधीक्षक श्री राजेश कुमार केशरवानी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न इस महायज्ञ में चार-पाँच सौ बंदियों ने भाग लिया। इस दिव्य एवं मंगल वेला में सभी बंदीगण कारा की चाहरदीवारियों की सुधबुध खोकर पूरी तरह ध्यान मग्न एवं भावविभोर नजर आये। बंदीगणों ने सत्प्रेरणा एवं आत्मशांति प्रदान करने वाले ऐसे कार्यक्रम में भागीदारी पर बेहद प्रसन्नता व्यक्त की और युगपुरोहितों की प्रेरणा से गायत्री उपासना, जीवन साधना तथा युग साहित्य के स्वाध्याय के संकल्प लिए।

यज्ञ का शुभारंभ कारागार अधीक्षक श्री राजेश कुमार केशरवानी, जेलर श्री अशोक कुमार मिश्र एवं डिप्टी जेलर श्री राजेश कुमार मिश्रा द्वारा दीप प्रज्वलन तथा देव प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि से हुआ। यज्ञ का संचालन जोनल प्रतिनिधि श्री मानवेन्द्र शुक्ल एवं शक्तिपीठ गौहरपुरा के प्रमुख ट्रस्टी श्री रंगीलाल शुक्ल, पं. मोतीलाल, डॉ. विनोद पंवार, मोहित अग्रवाल, सुक्खन लाल, श्री कृष्ण वर्मा आदि की टोली ने किया। कारा अधीक्षक ने बंदीगणों को राष्ट्र के प्रति प्रेमभाव विकसित करने की प्रेरणा दी।

बयाना, भरतपुर (राजस्थान)

३१ दिसम्बर को बयाना के कारागार में बंदी जनों में आत्मोत्थान का नया उत्साह जगाते हुए गायत्री परिवार के प्रतिनिधि श्री सतीश चंद्र कौशिक-अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने कहा कि व्यक्ति को भूलों पर आत्मग्लानि ही करते रहने की बजाय अपनी क्षमताओं पर विश्वास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यक्ति अनन्त क्षमताओं का स्वामी है और वह अपनी सोच को बदलकर कभी भी, कहीं भी रहते हुए शानदार जीवन की शुरुआत कर सकता है। उन्होंने कहा कि गायत्री उपासना हमारी सोच को बदलकर हमें शानदार जीवन का लक्ष्य पाने की ओर अग्रसर करती है। अपने पर विश्वास, अपनी अच्छाइयों पर विश्वास, सदैव सकारात्मक चिंतन, भाग्य की अपेक्षा कर्म पर विश्वास, यही सब गायत्री उपासना की विशेषता है, जो मनुष्य का जीवन क्रम ही बदल देती है।

कारागार में बंदियों ने जज साहब की प्रेरणा को भावभरे अंत:करण से स्वीकारा। २० बंदियों ने नशामुक्ति के संकल्प लिए। सभी का आभार व्यक्त करते हुए जेलर साहब ने भी तत्काल धूम्रपान छोड़ने की घोषणा कर दी। ❍

प्रमादपूर्ण जीवन संसार की सारी बुराइयों और व्यसनों का जन्मदाता है।